सांध्य दैनिक
4PM

जब आप किसी काम की शुरुआत करें, तो असफलता से मत डरें और उस काम को ना छोड़ें। जो लोग ईमानदारी से काम करते हैं वे सबसे प्रसन्न होते हैं।
–चाणक्य

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 37 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 9 मार्च, 2024

एंडरसन ने बना डाला टेस्ट में... 7 | चिराग करेंगे राजग के तले... 3 | भाजपा पूरे देश की दुश्मन है... 2

कांग्रेस-बीजेपी में खिचीं तलवारें

आईटी की कार्रवाई पर मोदी सरकार को घेरा

» विपक्ष बोला- मोदी सरकार से सब परेशान

» बीजेपी बोली- विपक्ष के पास कोई विजन नहीं

» जातिगत गणना और आर्थिक मैपिंग कराएगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव 2024 की दस्तक सुनाई दे रही है। वैसे-वैसे सत्ता पक्ष व विपक्ष में वार-पलटवार भी जोर पकड़ने लगी है। जहां अरुणाचम में पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि जितना काम बीजेपी सरकार के समय में हुआ है उतना करवाने में कांग्रस सरकार बिसियों साल लगा देती। उधर बीजेपी ने कहा कि विपक्ष के पास कोई विजन नही हैं। वहीं कांग्रेस ने बीजेपी पर झूठ फैलाने और विपक्ष को दबाने का आरोप लगाया।

उधर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि अगर आगामी लोकसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो जातिगत जनगणना के साथ आर्थिक मैपिंग कराई जाएगी जिसके आधार पर आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा को उखाड़ कर फेंक देंगे। उन्होंने कहा कि यह कदम उचित आरक्षण, हक और हिस्सेदारी दिलाएगा। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, क्या हमने कभी सोचा है कि गरीब कौन हैं, कितने हैं और किस स्थिति में है? क्या इन सभी की गिनती जरूरी नहीं? राहुल गांधी ने कहा, इसलिए उठो, जागो और अपनी आवाज़ उठाओ। जातिगत गिनती तुम्हारा हक है और यही तुम्हें मुश्किलों के अंधेरों से निकाल कर उजालों की ओर ले जाएगी। 'गिनती करो' हमारा नारा है, क्योंकि गिनती 'न्याय की पहली सीढ़ी'।

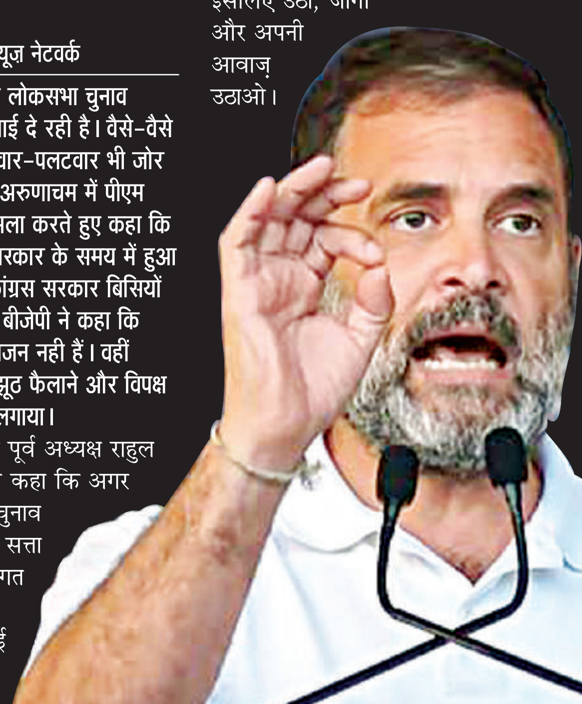

आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म करेंगे : राहुल

गरीब आबादी के 88 प्रतिशत लोग दलित, आदिवासी, पिछड़े और अल्पसंख्यक समुदायों से कांग्रेस सांसद राहुल ने कहा कि बिहार में हुई जातिगत गिनती से पता चला कि गरीब आबादी के 88 प्रतिशत लोग दलित, आदिवासी, पिछड़े और अल्पसंख्यक समुदायों से हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, बिहार से आए आंकड़े देश की असली तस्वीर की एक छोटी सी झलक मात्र हैं। हमें अंदाज़ा तक नहीं है कि देश की गरीब आबादी किस हाल में जी रही है। राहुल गांधी ने कहा कि यह कदम "देश का एक्स-रे" कर सभी को उचित आरक्षण, हक और हिस्सेदारी दिलाएगा।" उन्होंने कहा, "इससे गरीबों के लिए न सिर्फ सही नीतियां और योजनाएं बनाई जा सकेंगी बल्कि उन्हें पढ़ाई, कमाई और दवाई के संघर्ष से उबार कर विकास की मुख्यधारा से जोड़ा भी जा सकेगा।

आईटी ट्रिब्यूनल के खिलाफ हाईकोर्ट जाएगी कांग्रेस

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण ने कांग्रेस के बैंक अकाउंट्स के खिलाफ विभाग की कार्रवाई को रोकने के लिए दायर याचिका को खारिज कर दिया है। कांग्रेस ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट पर पार्टी के बैंक अकाउंट से 65 करोड़ रुपये निकालने का आरोप लगाया है। पार्टी पर 115 करोड़ रुपये का टैक्स बकाया था। कांग्रेस ने कहा कि टैक्स रिटर्न का मामला इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (आईटीएटी) में लंबित है। आईटी डिपार्टमेंट ने गैर लोकतांत्रिक तरीके से मंगलवार (20 फरवरी) को पैसे निकाले हैं। कांग्रेस सूत्रों ने कि वह मामले पर विधिक राय के बाद हाईकोर्ट में मामले को उठाएंगे।

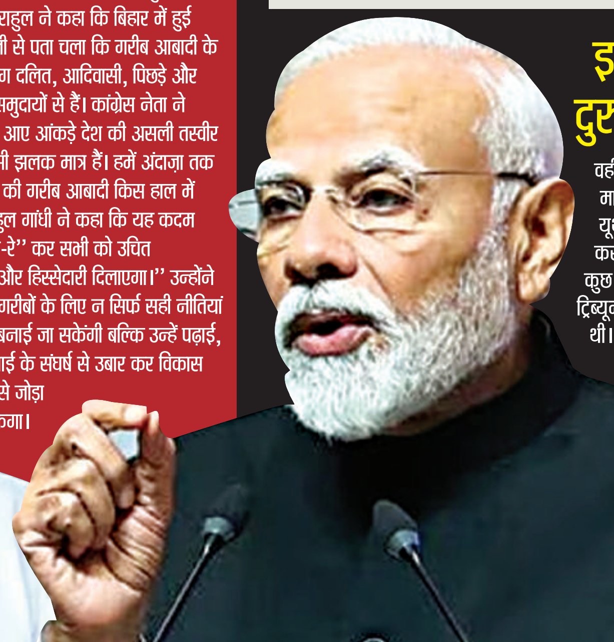

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का दुरुपयोग हो रहा है : माकन

वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा था कि इनकम टैक्स ने यूथ कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी से 210 करोड़ रुपये की रिकवरी मांगी है। इसके कुछ घंटों बाद इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल ने कांग्रेस के फ्रीज अकाउंट पर लगी रोक हटा दी थी। कांग्रेस ने इनकम टैक्स के एक्शन को लेकर बीजेपी पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने पूरे मामले को राजनीति से प्रेरित बताया, कांग्रेस ने बीजेपी सरका पर वित्तीय आतंकवाद और उसके प्राथमिक विपक्ष को पंगु करने की कोशिश का भी आरोप लगाया है।

एसबीआई बॉण्ड मामले की 'सुप्रीम' सुनवाई 11 को

» समय बढ़ाने संबंधी अर्जी पर होगी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की उस अर्जी पर 11 मार्च को सुनवाई करेगी, जिसमें राजनीतिक दलों द्वारा नकदी में परिवर्तित किये गए प्रत्येक चुनावी बॉण्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए समयसीमा 30 जून तक बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ एक अलग याचिका पर भी सुनवाई करेगी, जिसमें एसबीआई के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया गया है।

इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि एसबीआई ने चुनावी बॉण्ड के जरिये राजनीतिक दलों को मिले चंदे का विवरण निर्वाचन आयोग को छह मार्च तक सौंपे जाने संबंधी शीर्ष अदालत के निर्देश की "जानबूझकर" अवज्ञा की। सोमवार के लिए निर्धारित शीर्ष न्यायालय की मामला सूची के अनुसार, पीठ इन दो याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए पूर्वाह्न साढ़े 10 बजे बैठेगी। पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा शामिल हैं। एक ऐतिहासिक फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉण्ड योजना को रद्द कर दिया था।

लोस चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका

» पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी बीजेपी में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कांग्रेस पार्टी को चुनाव से पहले एक के बाद एक बड़े झटके लग रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी ने भी कांग्रेस को झटका दिया है। कांग्रेस नेता सुरेश पचौरी आज बीजेपी में शामिल हो गए हैं। उन्होंने भोपाल स्थित पार्टी कार्यालय में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ली।

भाजपा में शामिल होने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी ने कहा कि हाल ही में जो कांग्रेस द्वारा निणर्य लिए गए हैं, कांग्रेस जिन सिद्धांतों और नीतियों के लिए जानी जाती रही है, उनसे वह विमुख हो रही है। कांग्रेस को जनता से जो रिश्ता रखना चाहिए, वे नहीं हो पा रहा है। कांग्रेस ने आजादी में प्रमुख भूमिका अदा की है इसलिए उन्हें अपने उस इतिहास को याद करके काम करना चाहिए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी और पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी आज भाजपा में शामिल हुए हैं। बता दें कि सुरेश पचौरी, गांधी परिवार के करीबी माने जाते थे। उन्होंने UPA सरकार में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री की जिम्मेदारी संभाली थी। साथ ही वह चार बार राज्यसभा सांसद भी रहे हैं।

पूर्व सीएम खंडूरी के बेटे ने दिया इस्तीफा

गढ़वाल संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद खंडूरी के बेटे और विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंड़ूड़ी के भाई मनीष खंडूरी ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया हैं। इसकी जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा कर दी हैं। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले मनीष खंडूरी के इस्तीफे से कांग्रेस को बड़ा झटका लगा हैं। मनीष खंडूरी ने मैं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से त्यागपत्र दे रहा हूं मेरा यह निर्णय बिना किसी व्यक्तिगत हित अथवा अपेक्षा में लिया गया है।

भाजपा पूरे देश की दुश्मन है : अखिलेश

» बोले- मदरसे ही नहीं यह संस्कृत विद्यालय भी बंद करेंगे

» अगले वर्ष तक दिव्य स्वरूप में पूर्ण हो जाएगा श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में एसआईटी ने करीब 13 हजार मदरसों को बंद करने की सिफारिश की है जिसे लेकर प्रदेश की सियासत एक बार फिर से गरम हो गई है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे लेकर बीजेपी पर हमला किया और कहा कि भाजपा सरकार केवल मदरसे ही नहीं संस्कृत विद्यालय भी बंद करवाने वाली है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव प्रयागराज पहुंचे थे। इस दौरान जब उनसे यूपी में मदरसों को बंद करने पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि भाजपा सिर्फ एक समाज नहीं बल्कि पूरे देश की दुश्मन है।

सपा अध्यक्ष ने कहा, हमारे उत्तर प्रदेश और देश में आजादी थी कि संस्कृत पढ़ाई जाए, मदरसों में पढ़ाई उनके हिसाब से की जाए जो मदरसा बोर्ड है, जिन परिस्थितियों में संस्कृत बोर्ड बना होगा, संस्कृत विद्यालय बने होंगे, ये सिर्फ मदरसे बंद कर नहीं कर रहे, ये संस्कृत के विद्यालय भी बंद कर रहे हैं। दिल्ली से एक वीडियो सामने आई है जिसमें एक पुलिसकर्मी इंद्रलोक इलाके में सड़क पर नमाज पढ़ रहे कुछ लोगों को लात मारता दिख रहा है। इस घटनाक्रम पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया आई है। घटना का वीडियो ऑनलाइन वायरल होने के कुछ ही घंटे बाद पुलिस उपायुक्त (उत्तर) एम.के. मीणा द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि उप-निरीक्षक (एसआई) मनोज कुमार तोमर को तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा, प्रार्थनाओं पर प्रहार अच्छा नहीं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उम्मीद जताई है कि अगले वर्ष तक इटावा में बन रहा श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर बन जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि आशा है अगले वर्ष की महाशिवरात्रि तक इटावा के निर्माणाधीन 'श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर' का अतिदिव्य स्वरूप पूर्ण रूप में साकार हो जाएगा और समस्त शिवभक्तों के लिए आस्था, आशीर्वाद और मनोकामना पूर्ति की नवीन त्रिवेणी बनेगा। महाशिवरात्रि की अनंत शुभकामनाएं!

प्रार्थनाओं पर प्रहार अच्छा नहीं

बीजेपी सरकार में बढ़ीं बेटियों के साथ जघन्य घटनाएं

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था चौपट कर दी है। यूपी में आज कोई सुरक्षित नहीं है। प्रदेश में हर दिन हत्याएं हो रही हैं। भाजपा सरकार में अपराधी बेखौफ हैं। अपराधियों और माफिया को भाजपा सरकार का संरक्षण मिला हुआ है। कानून व्यवस्था पर जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो हो चुका है। महिलाओं, बेटियों के साथ जघन्य घटनाएं हो रही हैं। अखिलेश नेजारी बयान में कहा कि हमीरपुर में दो बहनों के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उनकी मौत की घटना से पूरा प्रदेश शर्मसार है। शाहजहांपुर में पिकअप चोरी की रिपोर्ट दर्ज न करने से आहत एक व्यक्ति ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने खुद को आग लगा ली। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जब एफआईआर इतनी कम दर्ज होती हैं, तब भी एनसीआरबी रिपोर्ट में यहां की कानून-व्यवस्था की इतनी दुर्गति दिखाई देती है।

देश संविधान से ही चलेगा सरकारें याद रखें : आजाद

मेरठ। भीम आर्मी चीफ और आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद ने बेहद शर्मनाक बताया और कहा कि नफरत का माहौल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भीम आर्मी चीफ ने कहा, दिल्ली की यह घटना, बेहद शर्मनाक और इंसानियत को शर्मसार करने वाली है, नमाज अदा कर रहे लोगों पर इस तरह का व्यवहार निंदनीय है, क्या इस देश में अब दो कानून चलेंगे, भारतीय संविधान धर्म के आधार पर गैर-बराबरी की इजाजत नही देता है। मुस्लिम समुदाय के खिलाफ यह नफरत का माहौल, कतई बर्दाश्त नही किया जाएगा। चंद्रशेखर आजाद ने आगे कहा,यह देश सबका है, हमें इस देश को बचाने के लिए संगठित होकर लड़ना होगा, ताकि देश में अमन, भाईचारा और इंसाफ कायम हो सके और नफरत का अंत हो। देश संविधान से ही चलेगा सरकारें याद रखे। इस मामले पर कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों की ओर से भी तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है।

रोहित पवार के खिलाफ ईडी की कार्रवाई पर सुप्रिया बोलीं - बीजेपी सत्ता का कर रही दुरुपयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राकांपा (शरदचंद्र-पवार) की नेता सुप्रिया सुले ने कहा कि रोहित पवार की कंपनी के स्वामित्व वाली चीनी मिल की संपत्ति कुर्क करने की प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई ''सत्ता का दुरुपयोग'' है। रोहित, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार के पोते हैं। सुले ने दावा किया कि महाराष्ट्र सरकार की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा दर्ज मूल मामले में रोहित का नाम नहीं था। उन्होंने कहा कि राज्य के गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली ईओडब्ल्यू द्वारा दर्ज की गई मूल प्राथमिकी में रोहित पवार का नाम नहीं था। ईओडब्ल्यू ने उस मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी, लेकिन ईडी ने रिपोर्ट का विरोध किया।

सुले ने दावा किया कि ईओडब्ल्यू द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी में कुछ ऐसे लोगों के नाम थे, जो भाजपा या उसके सहयोगियों के साथ जुड़े थे। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कैसा न्याय है? अगर किसी ने गलती की है, तो आप कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन सिर्फ इसलिए कि वह (रोहित) सच के लिए लड़ रहे हैं और सच बोल रहे हैं...क्या यह कार्रवाई उनके साथ अन्याय नहीं होगी?'' प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)ने शुक्रवार को कहा कि उसने रोहित पवार के स्वामित्व वाली एक चीनी मिल की 50 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्ति कुर्क की है।

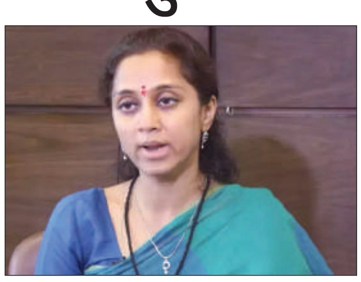

शरद पवार ने दी अजित गुट के विधायक शेलके को चेतावनी

मुंबई। लोनावला में एनसीपी शरद चंद्र पवार पार्टी की मावल क्षेत्र में कार्यकर्ता संवाद बैठक चल रही है। यह बैठक पार्टी अध्यक्ष शरद पवार की मौजूदगी में चल रही है और उन्होंने सीधे तौर पर मावल से अजित पवार गुट के विधायक सुनील शेलके को चेतावनी दी है। चर्चा है कि विधायक सुनील शेलके ने कार्यकर्ताओं को बैठक में न आने के लिए मजबूर किया है। इन चर्चाओं पर शरद पवार ने विधायक शेलके को चेतावनी देते हुए कहा कि मुझे भी शरद पवार कहा जाता है। शरद पवार ने कहा कि मैं समझता हूं कि आप पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को धमकी दी जा रही है क्योंकि आप यहां आ रहे हैं। मैं उनसे कहूंगा कि सुनील शेलके, तुम्हें विधायक किसने बनाया? आपकी मीटिंग में कौन आया था? पार्टी के अध्यक्ष कौन थे? मैंने आपके आवेदन पर हस्ताक्षर कर दिये हैं। शरद पवार ने कहा कि यह याद रखना, अगर अब से मैंने ऐसा कुछ किया तो मैं शरद पवार हूं।

राजनीतिक मामलों पर कांग्रेस रखेगी नजर

» समन्वयक होंगे प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय

» रायबरेली से गांधी परिवार के सदस्य के चुनाव लड़ने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की राजनीतिक मामलों से जुड़ी प्रदेश कमेटी की घोषणा कर दी गई है। इसका समन्वयक प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय को बनाया गया है। कमेटी में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, कांग्रेस संसदीय दल की नेता आराधना मिश्रा मोना, राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी, मोहसिन किदवई, सलमान खुर्शीद, अनिल यादव, राजीव शुक्ला, निर्मल खत्री, वीरेंद्र चौधरी, अजय कपूर, पीएल पुनिया सहित 40 नेताओं को शामिल किया गया है।

इसके अलावा सभी फ्रंटल संगठनों के प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य और सभी ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सदस्यों को भी इसमें शामिल किया गया है। कांग्रेस की प्रदेश चुनाव कमेटी का भी गठन कर दिया गया है। इस कमेटी में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के साथ ही सभी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, यूपी से संबंधित राज्यसभा सदस्यों, दोनों विधायकों, पूर्व राज्यसभा सदस्यों समेत 39 लोगों को शामिल किया गया है। जो प्रदेश में चुनाव से जुड़ी गतिविधियों पर काम करेगी। सांसद सोनिया गांधी के राज्यसभा में जाने के बाद लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की दावेदारी को लेकर संशय बरकरार है। वहीं, कांग्रेसियों की पुकार है कि गांधी परिवार का ही कोई सदस्य रायबरेली का खेवनहार बने। यही वजह है कि कांग्रेसियों का एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली जाकर न सिर्फ उत्तर प्रदेश के प्रभारी अवनीश पांडेय से मिला, बल्कि उनसे गांधी परिवार के किसी न किसी सदस्य के चुनाव लड़ाने की मांग रखी।

भगवंत मान ज्वाइन करना चाहते थे कांग्रेस : नवजोत

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान नवजोत सिद्धू ने एक बार फिर सीएम भगवंत मान पर निशाना साधा है। एक्स पर अपना एक इंटरव्यू पोस्ट कर सिद्धू ने एक धमाकेदार दावा किया। इस पोस्ट में सिद्धू ने लिखा है कि कुछ भी छिपाया नहीं, सब उजागर है। सिद्धू ने दावा किया कि सीएम भगवंत मान ने उन्हें एप्रोच किया था। अगर वे जगह पूछेंगे तो मैं जगह भी बता दूंगा। वो पूछेंगे नहीं। मान ने कहा था कि मैं आपका डिप्टी बनने को तैयार हूं अगर आप मुझे कांग्रेस में शामिल करवा दो। अगर आप आम आदमी पार्टी में आते हैं तो भी मैं आपका डिप्टी बनने को तैयार हूं। मैंने मान को कहा कि नवजोत सिद्धू राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को वचनबद्ध है। ये मुमकिन नहीं है। अगर आप आना चाहते हो छोटे भाई तो वेलकम.. दिल्ली जाकर भाई से बात करो। इसके बाद मैंने उससे बात नहीं की। इस दौरान नवजोत सिद्धू ने आम आदमी पार्टी की सरकार पर भी निशाना साधा। सिद्धू ने कहा कि भगवंत मान उनकी तारीफ इसलिए करते हैं क्योंकि उनके पास मेरी बातों का कोई जवाब नहीं है।

नीतीश ने जल संसाधन विभाग में करवाई लूट : प्रशांत किशोर

» सीएम ने कभी नहीं बांटा यह विभाग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में लोकसभा चुनाव से पहले सियासत तेज हो गई है। जहां आरजेडी, जेडीयू और भाजपा चुनावी मैदान में पूरी तरह से एक्टिव हो गई है वहीं जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर भी नीतीश कुमार के खिलाफ हमलावर हो गए हैं। उन्होंने नीतीश कुमार पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। बता दें कि प्रशांत किशोर ने कहा है कि बिहार में भ्रष्टाचार सब विभाग में है लेकिन जल संसाधन विभाग से अधिक भ्रष्टाचार किसी विभाग में नहीं है।

इसका प्रमाण क्या है, हम आपको बता देतें हैं। किसी गठबंधन की सरकार रहे, सारे विभागों का बंटवारा होता है लेकिन जल संसाधन विभाग और गृह विभाग का बंटवारा नहीं होता है। रोड में चोरी कीजिएगा तो हल्ल हो सकता है और पकड़ा जाइएगा। एकमात्र विभाग है जल संसाधन विभाग जिसको जितना लूटना है लूट लीजिए और कागज पर लिख दीजिए कि बाढ़ आया सब बह गया। नीतीश कुमार 18 साल से मुख्यमंत्री हैं। 9 बार सरकार बनाए लेकिन जल संसाधन विभाग नहीं बांटे।

चिराग करेंगे राजग के तले अंधेरा!

» मोदी की रैली से बनाई दूरी
» महागठबंधन ने दिया ऑफर
» बीजेपी से अनबन की बात को किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में एकबार फिर सियासी तूफान आने वाला है। सियासी गलियारों में ऐसी चर्चा है पीएम ने जो दो रैलियां बिहार में की उसमें राज्य के दिग्गज नेता चिराग पासवान नदारद रहे। लोग कयास लगा रहे हैं कि वह राजग का साथ छोड़कर गठबंधन से जुड़ सकते हैं हालांकि दोनों तरफ से इन बातों को खारिज किया जा रहा है। पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। इससे पहले बिहार में जदयू भी महागठबंधन में न जाने को राग अलाप रही थी पर ऐसा नहीं हुआ वह बीजेपी के साथ मिलकर सरकार का हस्तांतरण करवा बैठी।

इन दिनों लोकजन शक्ति पार्टी के नेता चिराग आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर पूरी तरह से एक्टिव हैं। एनडीए में अभी तक सीट शेयरिंग नहीं लेकिन इससे पहले ही चिराग पासवान ने बिहार में एक लोकसभा सीट पर तैयारी शुरू कर दी है। 10 मार्च में चिराग पासवान की एक बड़ी रैली होने वाली है। इसमें वह कुछ बड़ा कर सकते हैं ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है। ऐसी चर्चा भी हो रही है कि उस दिन चिराग कुछ ऐस फैसला ले सकते हैं जिससे राजग के खेमें में अंधेरा या सन्नाटा पसर सकता हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 400 प्लस लोकसभा सीटें जीतने का नारा दिया है। ऐसे में वे ऐसे राज्यों की ओर देख रहे हैं जहां भाजपा की अच्छी जीत की संभावनाएं हैं। ओडिशा उन राज्यों में से एक है। वहीं अब दोनों दल गठबंधन के खिलाफ नेताओं को समझाने की कवायद कर रहे हैं।

पोस्टर में एनडीए के नेता गायब

दिलचस्प बात यह है कि इस पोस्टर में एनडीए (एनडीए) के किसी भी नेता की तस्वीर नहीं है। दूसरी ओर, एनडीए में लोकसभा चुनाव को लेकर अभी सीट शेयरिंग नहीं हुई है। इससे पहले ही चिराग ने बिहार में एक लोकसभा सीट पर तैयारी तेज कर दी है। इसको लेकर, वह 10 मार्च को भव्य रैली भी करने वाले हैं। चिराग पासवान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्टर शेयर किया। इसमें जानकारी दी गई है कि चिराग पासवान जन आशीर्वाद महासभा करने जा रहे हैं। 10 मार्च को वैशाली के साहेबगंज में उच्च विद्यालय मैदान में दोपहर 11.30 बजे चिराग की भव्य रैली होने वाली है।है। यह भी देखा जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से चिराग जो पोस्टर अपने अकाउंट पर शेयर कर रहे हैं, उनमें से किसी में भी पीएम मोदी और अन्य एनडीए नेताओं की तस्वीर नहीं है।

चिराग को राजद से मिल रहे ऑफर

उधर, पीएम मोदी की रैली से दूरी और इधर चिराग को राजद से ऑफर को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। इससे यह अनुमान लगाया जा रहा कि चिराग पासवान 10 मार्च को मंच से कोई बड़ी घोषणा कर सकते हैं। यह भी कयास लगाया जा रहा है कि चिराग एनडीए का साथ छोड़ सकते हैं। हालांकि, इसके बारे में स्पष्ट रूप से कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। वहीं, अब राजद के एक विधायक ने भी चिराग को उनके साथ आने का खुला ऑफर दे दिया है। विधायक ने कहा कि चिराग पासवान अगर महागठबंधन में आना चाहते हैं तो उनका स्वागत है।

ओडिशा में नवीन करेंगे कुछ नया

मोदी के दौरे के दौरान सीएम ने किया मंच साझा

» राजग में हो सकते हैं शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ओडिशा। ओडिशा में 1998 से 2009 तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और बीजू जनता दल (बीजद) के बीच गठबंधन हुआ और उस अवधि के दौरान दो-दलीय गठबंधन ने तीन संसदीय चुनाव और दो विधानसभा चुनाव लड़े। दोनों पार्टियों ने 4:3 सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर राज्य में शासन किया। आगामी चुनावों से पहले फिर से संभावित गठबंधन की अटकलों के बीच गठबंधन शासन और उसके बाद हुई कड़वाहट पर एक नजर डालना जरूरी है। 1997 में पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक का निधन हो गया, जिससे राज्य की राजनीति में नेतृत्व शून्य पैदा हो गया।

बीजू पटनायक समर्थक और कांग्रेस विरोधी खेमे के तत्कालीन दिग्गज नेता नेतृत्व की कमान सौंपने को लेकर दुविधा में थे। बीजू बाबू के बाद किसे कमान सौंपी जाए, इसका निर्णय नहीं कर पा रहे थे। ऐसे में वे बीजू पटनायक के परिवार के सदस्यों में से एक को उनकी राजनीतिक विरासत के उत्तराधिकारी के रूप में देखे जिस पर ज्यादातर लोग सहमत भी दिखे। दिलचस्प बात यह थी कि बीजू बाबू के परिवार से किसी भी सदस्य राजनीति ने हाथ नहीं आजमाया था। अंत में बीजू बाबू के सबसे छोटे बेटे नवीन पटनायक को उस समय राजनीति में लाया गया। उस समय भाजपा, कांग्रेस मुक्त भारत का सपना देख रही थी। भाजपा के कुछ दिग्गजों ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजद) नामक एक नए क्षेत्रीय राजनीतिक दल के निर्माण के साथ नवीन पटनायक को नेता के रूप में पसंद किया।

1998 में गठबंधन में शामिल हुई बीजेडी

1998 में केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बनी थी और बीजेडी गठबंधन में शामिल हो गई। उसी साल देश में लोकसभा चुनाव हुए थे। नवीन पटनायक (आसिका से) सहित बीजद से नौ नेता तथा भाजपा से सात नेता लोकसभा के लिए चुने गए थे, लेकिन दुर्भाग्य से वाजपेयी सरकार 1999 में गिर गई और एक साल के भीतर आम चुनाव कराने की जरूरत पड़ी। तब बीजेडी ने 10 लोकसभा सीटें जीती थीं, जबकि 9 सीटें बीजेपी के खाते में गई थीं।

4:3 सीट को बांटने पर चर्चा

2004 के आम चुनावों में, बीजद ने 11 लोकसभा सीटें और भाजपा ने सात सीटें जीतीं। दोनों दलों ने 2004 का विधानसभा चुनाव भी 4:3 के फॉर्मूले पर लड़ा था, जिसमें बीजद ने 84 विधानसभा सीटों पर और भाजपा ने 63 सीटों पर चुनाव लड़ा।बीजद ने 61 और भाजपा ने 32 सीटें जीती। वर्ष 2000 में बीजद ने 68 और भाजपा ने 38 सीटें जीती थीं। 1998 से 2004 के बीच बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक राजग सरकार में दो साल तक इस्पात एवं खनन मंत्री रहे। बीजद के अर्जुन सेठी जल संसाधन मंत्री थे, ब्रज किशोर त्रिपाठी इस्पात मंत्री थे और दिलीप रे इस्पात और कोयला मंत्री थे। भाजपा के देबेंद्र प्रधान भूतल परिवहन मंत्री थे और जुएल ओराम जनजातीय मामलों के मंत्री थे।

कंधमाल दंगों के बाद बीजेद-बीजेपी में तनावपूर्ण संबंध

2008 में दोनों दलों के बीच संबंध तनावपूर्ण होने लगे, खासकर कंधमाल दंगों के बाद। भाजपा के केंद्रीय नेताओं ने गठबंधन को बचाने की कोशिश की और नवीन निवास में नवीन पटनायक के साथ कई दौर की बैठकें कीं, लेकिन वे समझौता कराने में विफल रहे। 9 मार्च, 2009 को बीजद ने भाजपा से नाता तोड़ लिया और गठबंधन टूट गया!भाजपा के तत्कालीन ओडिशा प्रभारी चंदन मित्रा को नवीन को मनाने में विफल रहने के बाद निराश लौटना पड़ा था।

दोनों पार्टी के नेताओं में नहीं है उत्साह

तब से लेकर अब तक दोनों ही दलों के स्थानीय नेताओं के बीच संबंधों की दूरी काफी आगे बढ़ गई है और ओडिशा का राजनीतिक परिदृश्य बदल गया है। दोनों दलों के नेताओं में फिर से गठबंधन बनाने को लेकर असंतोष है। दोनों पार्टियां लोगों को कैसे समझाएंगी बीजद का एक शक्तिशाली समूह गठबंधन नहीं चाहता है इसी तरह, भाजपा के कई नेता और कैडर गठबंधन के खिलाफ हैं हालांकि इन सबके बावजूद गठबंधन होना लगभग तय हो गया है, सिर्फ औपचारिक घोषणा बाकी है। भाजपा नेताओं कसे मिलेंगे होगी चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण टीडीपी को कुल 175 सीटों में से शेष 76 विधानसभा क्षेत्रों के लिए नामों की घोषणा करना बाकी है। चूंकि जन सेना को तीन सीटें मिल रही हैं, इसलिए उम्मीद है कि तेलुगु देशम कुल 25 सीटों में से बाकी सीटों के लिए नामों की घोषणा करेगी। आंध्र प्रदेश में आम चुनाव के लिए प्रस्तावित 3-पार्टी गठबंधन के हिस्से के रूप में तेलुगु देशम प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू और जन सेना प्रमुख पवन कल्याण गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय भाजपा नेताओं के साथ सीट बंटवारे पर चर्चा कर सकते हैं। आंध्र प्रदेश के नेताओं के गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मिलने की संभावना है। तेलुगु देशम के सूत्रों का कहना है कि बीजेपी के साथ सीट बंटवारे पर चर्चा होगी, हालांकि तेलुगु देशम और जन सेना दोनों ने हाल ही में अपने प्रतियोगियों की पहली सूची की घोषणा की है। तेलुगु देशम ने अपनी 24 सीटों के लिए 94 उम्मीदवारों के नाम सूचीबद्ध किए थे, जबकि जन सेना ने पांच उम्मीदवारों के नाम सूचीबद्ध किए थे। टीडीपी को कुल 175 सीटों में से शेष 76 विधानसभा क्षेत्रों के लिए नामों की घोषणा करना बाकी है। चूंकि जन सेना को तीन सीटें मिल रही हैं, इसलिए उम्मीद है कि तेलुगु देशम कुल 25 सीटों में से बाकी सीटों के लिए नामों की घोषणा करेगी। हालांकि नायडू इससे पहले अमित शाह और जेपी नड्डा से मुलाकात कर चुके हैं, लेकिन अब तक सीट बंटवारे पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इस बीच बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दग्गुबाती पुरंदेश्वरी बुधवार को दिल्ली पहुंचीं। बीजेपी सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व कई दक्षिणी राज्यों के नेताओं से चर्चा कर रहा है और जल्द ही बीजेपी उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की जाएगी। नेताओं के एनडीए में टीडीपी को फिर से शामिल करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा करने की संभावना है क्योंकि भाजपा चाहती है कि राष्ट्रीय गठबंधन 543 लोकसभा सीटों में से 400 से अधिक सीटें जीते।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बेंगलूरु का जल संकट खतरे की घंटी !

एक खबर ने बहुत सुर्खियां बटोरी। वो खबर ारत के आईटी शहर बेंगलूरु से जुड़ी है। वहां पर पानी की किल्लत बृहद स्तर पर हो गई है। मामला इतना गंभीर हो गया कि वहां के स्कूलों तक पर असर हुआ। कमोवेश इस तरह की दिक्कत भारत के कई शहरों में होती है। इस पर गंभीर होने की जरूरत है वरना आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से जूझना पड़ सकता है। बेंगलूरुजो कभी गार्डन सिटी के नाम से जाना जाता था, आज बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहा है। गर्मी के आने से पहले ही शहर में जल संकट गहरा गया है। यह न केवल बंगलूरू बल्कि पूरे देश के लिए एक चिंता का विषय है। यहां के कुछ इलाकों में हालात इतने खराब हो गए हैं कि यहां के कोचिंग सेंटर और स्कूल अपने बच्चों से घर पर ही रहकर क्लास लेने के लिए बोल रहे हैं।

इतना ही नहीं हाल ही में बंगलूरू जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) ने शटडाउन का एलान किया था, हालांकि यह कदम आवश्यक रखरखाव कार्य करने और अनअकाउंटेड फॉर वॉटर (यूएफडब्ल्यू) स्थापित करने के लिए उठाया गया। बंगलूरू के विजयनगर में स्थित एक कोचिंग सेंटर ने अपने छात्रों को एक सप्ताह के लिए आपातकाल के कारण ऑनलाइन क्लास लेने के लिए कहा। वहीं, शहर के बन्नेरघट्टा रोड पर एक स्कूल बंद हो गया। स्कूल प्रशासन ने छात्रों को वर्चुअल कक्षाओं में भाग लेने के लिए कहा है। आपातकाल का मतलब गंभीर जल संकट से है। कर्नाटक इस साल जल संकट का सामना कर रहा है। इसका एक कारण पिछले साल कम बारिश होना है। भारतीय मौसम विभाग ने कम बारिश के लिए अल नीनो प्रभाव को जिम्मेदार ठहराया है। बंगलूरू में बिगड़ते हालात का इस बात से अंदाज लगाया जा सकता है कि कुमारकृपा रोड पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के कार्यालय के अंदर पानी के टैंकर देखे गए। इतना ही उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने हाल ही कहा था कि सदाशिवनगर नगर में स्थित उनके घर में बोरवेल सूख गया है। जबकि सदाशिवनगर सांकी झील के बगल में स्थित है। कर्नाटक की राजधानी में सड़कों पर पानी के टैंकर दिखाई देना अब आम बात सी है। बंगलूरू में बुधवार को तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि यह सन् 1986 के तापमान से कम है। मार्च, 1986 में तापमान 37.3 डिग्री तक चला गया था, लेकिन यह महीने के अंत में हुआ था। इस मार्च में हमारे पास अभी भी 24 दिन बाकी हैं।

"बेंगलूरुजो कभी गार्डन सिटी के नाम से जाना जाता था, आज बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहा है। गर्मी के आने से पहले ही शहर में जल संकट गहरा गया है। यह न केवल बंगलूरू बल्कि पूरे देश के लिए एक चिंता का विषय है। यहां के कुछ इलाकों में हालात इतने खराब हो गए हैं कि यहां के कोचिंग सेंटर और स्कूल अपने बच्चों से घर पर ही रहकर क्लास लेने के लिए बोल रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

साफ पानी क्यों नहीं बनता चुनावी मुद्दा

विश्वनाथ सचदेव

कई साल पुरानी बात है। विदेश यात्रा के दौरान न्यूयार्क के एक बड़े होटल में जब मैं अपने कमरे में गया तो देखा पीने का पानी नहीं था। मैंने संबंधित कर्मचारी से फोन पर बात की। उसने बताया कि पानी की बोतल तो वह भेज देंगे पर वहां बाथरूम का पानी ही पीने के लिए काम आता है। सब वही पानी पीते हैं। पूरी तरह सुरक्षित है वह पानी पीने के लिए। जब उसने यह बात कही तो उसकी आवाज में एक गर्व की अनुभूति खनक रही थी। आज यह घटना मुझे तब अचानक याद आ गई जब मैं सुबह का अखबार पढ़ रहा था। अखबार के भीतरी पन्नों में एक खबर थी देश में पीने के पानी के बारे में। इस खबर के अनुसार देश के 485 नगरों में से सिर्फ 46 में ही पीने का शुद्ध पानी है। इस आंकड़े के लिए किसी एजेंसी की हवाला दिया गया था। पता, यह कितना सही है पर यह बात तो हम सब जानते हैं कि हमारे देश में धनी तबका घरों में पीने के पानी के लिए मशीनों का उपयोग करता है।

आए दिन टीवी पर इस आशय का विज्ञापन देखा जा सकता है कि पीने के शुद्ध पानी के लिए फलां 'वॉटर प्यूरीफायर' का इस्तेमाल करें। बहुत से लोग यह बात बताने वाले सिनेमा के बड़े कलाकार से प्रभावित होकर 'पानी को पीने योग्य' बनाने वाली मशीन खरीद लाते हैं। सच कहें तो शहरी इलाकों में, घरों में ऐसी मशीन का होना एक अनिवार्य आवश्यकता बन गई है। जो इसे नहीं खरीद पाते वे दूषित पानी का शिकार हो जाते हैं। एक अनुमान के अनुसार हमारे देश में प्रतिवर्ष 5 वर्ष से कम आयु के तीन लाख से अधिक बच्चे डायरिया से मरते हैं और यह डायरिया दूषित पानी पीने से ही होता है। अखबार में दूषित पानी वाला यह समाचार पढ़कर मैं चौंका नहीं था। आए दिन इस आशय के समाचार देखने को मिल जाते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि पीने के पानी को लेकर जागरूकता बढ़ी है। हर घर में 'नल से जल' जैसी योजनाओं का असर भी कुछ देखने को मिल रहा है पर नल के इस पानी की शुद्धता को लेकर आए दिन सवाल उठते रहते हैं। मेरी जिज्ञासा और चिंता तो यह है कि हमारे देश में हम कब गर्व से कह सकेंगे कि गुसलखाने के नल का पानी ही पीने के काम में भी आता है।

आज यह सवाल इसलिए भी अधिक मुखर होकर सामने आ रहा है कि शुद्ध पानी जैसा मुद्दा हमारे राजनेताओं को चुनावी मुद्दा क्यों नहीं लगता। हर घर में नल जैसी बात होती है पर उस शिद्दत के साथ नहीं जिसके साथ होनी चाहिए। ऐसा नहीं है कि शुद्ध पानी का मुद्दा कभी उठा नहीं। उठता रहता है अक्सर, पर फिर उतनी ही तेजी से भुला दिया जाता है। अब जो चुनाव सामने आ रहे हैं उनमें हमारे नेताओं के मुंह से कितनी बार शुद्ध पानी का उच्चारण हुआ है? 10 साल पहले गंगा नदी के पानी को शुद्ध बनाने वाला 'नमामि गंगे प्रोजेक्ट' चुनावी चर्चा का मुद्दा बना था, पर इस आधी-अधूरी रह गई परियोजना की बात आज कोई नहीं कर रहा। कोई नहीं पूछ रहा कि करोड़ों की आस्था का प्रतीक बनी 'मां गंगा' का पानी अब तक शुद्ध क्यों नहीं हो पाया अथवा हमारे राजनेताओं ने इस महत्वपूर्ण परियोजना को चुनावी मुद्दा क्यों नहीं बनाया? देश में आम चुनाव का माहौल लगातार गर्मा रहा है। छोटे से छोटे कार्यकर्ता से लेकर प्रधानमंत्री तक नए-नए चुनावी नारे गढ़ने में लगे हैं। दुर्भाग्य से न तो सत्तारूढ़ दल शुद्ध पानी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे की बात कर रहा है और न ही विपक्ष को पीने का पानी चुनावी फसल काटने का माध्यम नजर आ रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, मतदाता को लंबे-चौड़े आंकड़ों से भरमाने की कोशिश हो रही है। यह दावे कितने सही हैं, इसकी चिंता कोई नहीं करता। मजे की बात तो यह है कि अक्सर हमारे नेता यह भूल जाते हैं कि पिछली चुनावी सभा में उन्होंने विकास के क्या आंकड़े जनता को बताए थे। मान लिया गया है कि जनता की याददाश्त बहुत कमजोर होती है। जनता भी इस बात की अधिक चिंता करती नजर नहीं आती कि हमारे नेता किस तरह उसे ठगने की कोशिश में लगे रहते हैं। यह हमारी चिंता का विषय बनाना चाहिए। चुनावी सभा में हमारे नेता बड़े-बड़े दावे करते हैं, तीसरी या पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने व बनाने के दावे किए जाएं।

'पांच ट्रिलियन' की बात तो की जाती है पर यह कोई नहीं बताता कि इसका मतलब क्या है? इस अर्थव्यवस्था से क्या और कैसे परिवर्तन जनता के जीवन में आएगा, न कोई जानता है न कोई बताता है। विपक्ष गरीबी, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई की बात अवश्य कर रहा है पर सत्तापक्ष के चुनावी गणित में इन समस्याओं के लिए कोई जगह नहीं है। राजनेता बड़ी आसानी से ऐसे मुद्दों की अनदेखी करके आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन आज जरूरत है हमारे नेताओं से यह पूछने की कि जीवन के जरूरी मुद्दे चुनाव के लिए जरूरी क्यों नहीं माने जाते?

पाकिस्तान में लोकतंत्र का प्रहसन

जी. पार्थसारथी

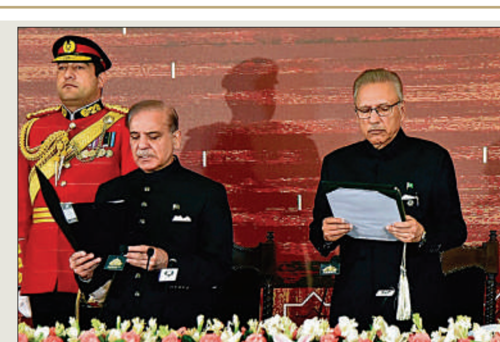

पाकिस्तान में नागरिक पिछले कुछ महीनों से चुनावी माहौल में रमे हुए थे और चाहवान थे कि चुनाव प्रक्रिया मुक्त, ईमानदार और लोकतांत्रिक ढंग से हो। लेकिन जल्द ही साफ हो गया और जो कुछ उन्हें देखने को मिला वह इस कल्पना जैसा नहीं था। यह तो बल्कि वह नाटक था जिसकी पटकथाएं सेनाध्यक्ष जनरल सईद असीम मुनीर ने लिखी थीं। सेनाध्यक्ष बनने से पहले मुनीर का कार्यकाल काफी तनातनीभरा रहा। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मुनीर सुहाते नहीं थे, उन्होंने तत्कालीन सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा द्वारा मुनीर को आईएसआई मुखिया बनाए जाने वाले आदेश को निरस्त कर अपने चेहते को पद पर बैठा दिया था। तत्पश्चात, निर्वाचित सरकार को गिराने की जो ताकत पाकिस्तानी सेना के हाथ में सदा से रही है, जनरल बाजवा ने उसका इस्तेमाल करते हुए इमरान की जबरन विदाई यकीनी बना दी।

पाकिस्तान में ऐसे लोगों की भी कमी नहीं, जिन्हें विश्वास है कि इमरान खान की विदाई के पीछे अमेरिकी साजिश थी। अमेरिका और जनरल बाजवा की यारी सुविख्यात है, अमेरिका के कहने पर उन्होंने यूक्रेन की जेलेंस्की सरकार को 900 मिलियन डॉलर मूल्य के हथियार और गोला-बारूद पहुंचाने में मदद की। हालांकि, यहां मानना पड़ेगा कि भारत के मामले में उन्होंने अपने पूर्ववर्तियों के मुकाबले समझदारी भरा और सकारात्मक रुख बनाए रखा। जाहिर है, और यह ठीक भी है, उन्हें इल्म था कि भारत से तनाव में बढ़ोतरी का असर उल्टा पाकिस्तान पर अधिक होगा। हालांकि यह बात उनके द्वारा नियुक्त और जानशीन जनरल असीम मुनीर के बारे में नहीं कही जा सकती। दरअसल, उनकी सेवानिवृत्ति उपरांत पाकिस्तान अपनी बनाई मुश्किलों में फंसता गया, इसमें एक वजह हालिया चुनाव में गलत आचरण और जानबूझकर की गई हेराफेरी भी है। लोकतांत्रिक रिवायतों को पूरी तरह छींके पर टांग देने वाले इस अभियान की अगुवाई जनरल मुनीर और उनकी सेना ने की।

लोकतंत्र का हनन करने वालों के सम्मुख खड़े होने वाले हिम्मतियों का साथ देने की बजाय पाकिस्तान की न्यायपालिका, नौकरशाही, सिविल सोसायटियों ने शुतुर्मुगी रवैया अपनाए रखा। पाकिस्तान के संविधान को नीचा दिखाने के कृत्य में वे भी शामिल हो गए। जनरल मुनीर के नेतृत्व में रीढ़विहीन बना सिविल प्रशासन और पुलिस तंत्र चुनाव प्रक्रिया में हेराफेरी करने में भागीदार बन गया। यह भांपकर कि मतदान में घपलेबाजी होगी, इमरान खान ने अपने समर्थकों से आह्वान किया कि मतदान संबंधी अड़चनों का सामना करें और खुलकर वोट डालें। सेना की इन हरकतों का यदि कोई राजनीतिक दल गंभीर रूप से विरोध कर रहा था तो वह थी इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी। अन्य मुख्य राजनीतिक दल तो सेना के आगे बिछ गए और इसके सहयोग से अपने-अपने गढ़ में अच्छी जीत हासिल कर पाए। हालांकि कलई खुलने पर, कई मौकों पर सेना को नामोशी झेलनी पड़ी है। यद्यपि इमरान खान ने प्रतिबंधों का तोड़ पहले से तैयार रखा था और अपने उम्मीदवार बतौर आजाद प्रत्याशी खड़े किए, उनके 93 बंदे सांसद चुने गए हैं।

जबकि नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग के 75 तो भुट्टो-जरदारी परिवार के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के 54 सांसद चुनकर आए हैं। लेकिन जिस भौंडे ढंग से पाकिस्तान के संविधान और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हनन हुआ है, उससे दुनिया और लगभग समूचे पाकिस्तानी अवाम की नजर में सेना की छवि खराब हुई है। इसी बीच सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर ने बयान दागा : 'जब भारत को पाकिस्तान का वजूद गवारा नहीं, तो हमें उसका कैसे हो?' दुनिया के लिए यह देखना एक झटका था कि किस ढिठाई और गैर-कानूनी ढंग से जनरल मुनीर ने पाकिस्तान के संविधान, चुनाव प्रक्रिया का अपहरण कर लिया। तथापि, जैसा कि अपेक्षित था, सेना ने शरीफ बंधुओं और भुट्टो परिवार और कुछ छोटे दलों को एकजुट करवाया। यह करना इमरान खान की हार और उन्हें सलाखों के पीछे बनाए रखने के लिए जरूरी था। इमरान खान द्वारा हालिया चुनाव में धांधली के आरोपों से पाकिस्तानी सरकार साफ इनकार करती है। हाल ही में रावलपिंडी के कमिश्नर ऑफ कैपिटल लियाकत अली चट्ठा ने स्वीकारोक्ति की है कि उनकी मौजूदगी में 8 फरवरी के चुनाव में हेराफेरी हुई है, और उन्होंने अपना इस्तीफा देने की पेशकश की। हालांकि, उन्हें अपना उक्त इकबालिया बयान और इस्तीफा वापस लेने के लिए मजबूर किया गया। एक मर्तबा मेरे पाकिस्तानी दोस्त ने कहा था : 'कोई अचरज नहीं कि दुनिया के हर देश के पास सेना है, लेकिन पाकिस्तान में सेना के पास देश है।'

हालांकि, पश्चिमी मुल्क जैसे कि अमेरिका और यूके इस पसोपेश में हैं कि खुद को इस विवाद से कैसे दूर रखें परंतु यदि इमरान खान जेल में रहते हैं तो भी उनकी नींद उड़ने से रही। जहां अमेरिका में पाकिस्तान में हुए छद्म चुनाव को लेकर सवाल उठे हैं वहीं पाकिस्तानी मीडिया में भी चुनाव में धांधली पर तीखी आलोचना देखने को मिली। सेना की मेहरबानी से शरीफ और भुट्टो परिवार का चुनावी प्रदर्शन अच्छा रहा और अब वे मिलकर सत्ता की बंदरबांट कर रहे हैं। आसिफ अली जरदारी, जो बेनजीर भुट्टो का शौहर होने की वजह से मशहूर हुए, एक समय राष्ट्रपति रहे। हालांकि सवाल है कि उनके गर्ममिजाज पुत्र बिलावल भुट्टो जरदारी में क्या मां बेनज़ीर और नाना जुल्फिकार अली भुट्टो जितना राजनीतिक कौशल है?

कहीं आपके आस-पास तो नहीं है

ओवर फ्रेंडली लोग

जहां कुछ लोगों से बातें करके आपका दिल खुश हो जाता है, एक अलग ही तरह का सुकून मिलता है, वहीं कुछ लोगों से थोड़ी देर की बातचीत से ही सिरदर्द होने लगता है। ऑफिस, आस-पड़ोस में ऐसे कई लोगों से आप टकराते होंगे, लेकिन आप उनसे उनकी इस आदत के बारे में चाहकर भी बोल नहीं पाते। मजबूरीवश अपना सिरदर्द कराने का ही ऑप्शन बचता है। ऐसे लोग ओवर फ्रेंडली कैटेगरी में आते हैं।

ओवर फ्रेंडली लोगों की खासियत और कमियां

फ्रेंडली नेचर दूसरों को कंफर्ट फील कराने के लिए बहुत जरूरी होता है, लेकिन वहीं ओवर फ्रेंडली नेचर आपको अनकंफर्टेबल कर सकता है। ऐसे लोग अपने बारे में तो बढ़ा-चढ़ाकर बताते ही हैं साथ ही दूसरों की लाइफ में भी बहुत ज्यादा दिलचस्पी लेते हैं। जिस वजह से कई बार ऐसे लोगों से बातचीत करना या कुछ शेयर करना बाद में आपके लिए ही मुसीबत बन जाता है। अगर आपके भी आसपास ऐसे कुछ लोग मौजूद हैं, तो जान लें उन्हें डील करने का तरीका।

ओवर फ्रेंडली लोगों से ऐसे करें डील

सीमाएं सेट करें

ओवर फ्रेंडली लोगों का तो नेचर आप बदल नहीं सकते, तो बेहतर होगा अपनी लिमिट सेट कर लें। अगर वो बहुत ज्यादा आपकी पर्सनल लाइफ में घुसने की कोशिश करें, तो उन्हें अच्छे से समझा दें कि ये सही नहीं और आपको पसंद नहीं। ना कहने से बुरा मान जाएगा ये सोचकर खुद को परेशान न करें।

बिजी शो करें

अगर आप ऐसे लोगों को सीधे शब्दों में जवाब नहीं दे पा रहे हैं, तो उनसे कटने का एक दूसरा सेफ तरीका है खुद को बिजी शो करना। उनके सामने आते ही किसी न किसी काम का बहाना बनाकर निकल जाएं। आपका बार-बार ऐसा एटीट्यूड देखकर वो खुद ही समझने लगेगा कि आप बात करने में इंट्रेस्टेड नहीं।

स्मॉल टॉक करें

ओवरफ्रेंडली लोगों अपनी बातों में आपको फंसा लेते हैं कि आप बातों ही बातों में उन चीज़ों को भी शेयर कर देते हैं, जो आपको नहीं करनी चाहिए थी। इसलिए ऐसे लोगों से जितना हो सके हां या ना में ही बात करें। ये स्मॉल टॉक अच्छा तरीका है इनसे बचने का।

हर बात का जवाब न दें

जब कोई रिएक्शन मिलेगा, तभी तो आदमी बातचीत को आगे बढ़ाएगा, तो ओवर फ्रेंडली लोगों को डील करने का एक और सही तरीका है कि उनकी हर बात का जवाब न दें खासतौर से अगर वो आपकी पर्सनल लाइफ में घुसने की कोशिश कर रहा हो, तब। ऐसा न सोचें कि ये रूड बिहेवियर है। ऐसे लोगों से निपटने के लिए ये एकदम सही बिहेवियर है।

हंसना मना है

दादा जी पोते से बोले- तुरंत मेरे दांत लेकर आ। पोता बोला- अभी तो रोटी भी नहीं बनी, दांत का क्या करोगे? दादा जी- रोटी को मार गोली, पड़ोसन स्माइल दे रही है।

पत्नी: यार तुम्हें कितनी बार समझाऊं झगड़े के बीच में मुझे सॉरी बोलकर झगड़ा खत्म मत किया करो। पति: क्यों? पत्नी: क्योंकि फिर तुम्हें डांटने का मूड बेकार हो जाता है।

लड़की: हे भगवान! किसी समझदार लड़के को मेरा बॉयफ्रेंड बना दो भगवान बोले: अगर समझदार होगा तो वो इन सब लफड़ों में पड़ेगा ही नहीं जा बेटी घर जा।

पत्नी: आज भी किसी मोहल्ले से निकलू तो सब लड़कों की नजर मेरे पर ही रहती है... पति: इनकी परवाह न करो डार्लिंग, कबाड़ियों का मोहल्ला है। उनकी नजर हमेशा कबाड़ पर ही रहती है...

आशिक अपनी प्रेमिका से: डार्लिंग हम दोनों शादी नहीं कर सकते, मेरे घर वाले हमारे शादी के बिल्कुल खिलाफ हैं। प्रेमिका: तुम्हारे घर में कौन कौन हमारी शादी के खिलाफ है? आशिक: पत्नी और बच्चे...

कहानी | पक्के दोस्त

एक शेर और एक चूहा दोस्त थे। दोनों के घर पास-पास थे। एक दिन शेर को एक शिकार मिला। उसने चूहे को आवाज़ लगाई आओ दोस्त, मेरे साथ खाना खा लो। तुम्हें जो खाना है खाओ, मुझे इससे ज्यादा ज़रूरी काम करने हैं। बाहर से आवाज़ आई। शेर को बड़ा बुरा लगा। अगले ही दिन चूहे को शहद का एक डिब्बा मिला। वह खाने के लिए बैठा तो उसने शेर को आवाज़ लगाई, दोस्त, आओ मेरे साथ खाना खा लो। बाहर से उत्तर आया, मुझे नहीं खाना है, तुम्हीं खाओ अपना खाना। जा जा जाए साहा आजा खा साहा चछए, शा एछ चूहे को भी बड़ा बुरा लगा। लेकिन उसने कुछ नहीं कहा। दो दिन के बाद दोनों जंगल में मिले। दोनों की दोस्ती इतनी पक?को थी कि खाने वाली बात को भुलाकर वे फिर से एक साथ खेलने लगे। बातों-बातों में दोनों को पता चला कि शेर ने जब चूहे को आवाज़ लगाई थी तो उसने सुना ही नहीं था। न ही चूहे ने कोई रूखा जवाब दिया था। शेर ने भी यही बात चूहे को बताई। चूहे की आवाज़ न तो उसने सुनी थी, न ही कोई ख़राब-सा जवाब दिया था। ज़रूर कुछ गड़बड़ है। दोनों एक साथ बोले। हमको पता लगाना होगा कि कौन हम दोनों की दोस्ती तोड़ने की कोशिश कर रहा है। शेर गुस्से से दहाड़कर बोला। ठीक कहा, कोई तो है, जो हम दोनों को परेशान करना चाहता है। चूहे ने कहा। उनकी बातें छिपकर कोई सुन रहा था। तभी किसी के चुपके से भागने की आवाझ आई। दोनों ने देखा कि यह तो लोमडी थी, जो भाग रही थी। शेर ने दहाड़कर कहा, क जा, नहीं तो मुझसे बुरा कोई नहीं होगा। ऐसा कहकर शेर ने लपककर लोमडी को पकड़ लिया। शेर ने चूहे से कहा, दोस्त, आज रात के खाने में मैं एक लोमडी पकाने वाला हूँ। रात का खाना तुम मेरे साथ खाना। चूहा बोला, ज़रूर आऊँगा मैं। ऐसा भोजन तो मैं छोड़ ही नहीं सकता! लोमडी घबरा गई। बेचारी माफी माँगने लगी। शेर ने कहा, सो उठक-बैठक करो ओर एक हज़ार बार बोलो-मैं अब किसी को तंग नहीं करूँगी। लोमडी बेचारी क्या करती। अपनी गूलती की सज़ा तो उसको मिलनी ही थी न। दो घंटे तक वह यही वाक्य दोहराती रही-अब में किसी को तंग नहीं करूँगी। शेर और चूहे की दोस्ती और भी पक्की हो गई। अच्छे दोस्त किसी तीसरे के कहने से अपनी दोस्ती को खुत्म नहीं होने देते।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

जो काम अटके पड़े थे उन्हें पूरा करने का अवसर प्राप्त होगा। आज का दिन आपके लिए शुभ रहेगा तथा छोटी-छोटी खुशियाँ मिलती ही रहेंगी जिससे मन प्रसन्नचित्त रहेगा।

वृषभ

आज के दिन खर्चों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। परिवार के किसी सदस्य से कोई दुखद समाचार भी मिल सकता है। ऐसे में व्यवहार में संतुलन बनाए रखें।

मिथुन

आपके विवाह की बात चल सकती है। कहीं से अच्छा रिश्ता भी आ सकता है लेकिन आपकी माता का मन उसमे कम होगा। किसी भी चीज की जल्दबाजी से बचें अन्यथा यह हानिकारक सिद्ध होगा।

कर्क

किसी से कुछ कहना चाहेंगे लेकिन आपका शर्मीला स्वभाव ऐसा करने नहीं देगा। ऐसे में वह बात मन में ही रह जाएगी जिसका पछतावा भी रहेगा। मित्रों की सहायता मिल सकती है।

सिंह

शेयर बाजार में पैसा लगा रखा है तो वहां से लाभ मिलने के संकेत हैं। पहले से ही उस पर नजर बनाए रखें क्योंकि यह अवसर केवल आज तक के लिए ही होगा।

कन्या

घर में किसी पुरानी बात को लेकर कलेश होने की संभावना है। आपकी माता और चाची के बीच झगड़ा हो सकता है। ऐसे में आपका बीच में बोलना विवाद को हवा देने का काम कर सकता है जो कि अच्छा नही रहेगा।

तुला

धार्मिक कार्यों में खर्च होगा तथा मन आध्यात्मिक रहेगा। पिता के साथ बाहर जाना होगा। पत्नी के साथ कुछ बातों को लेकर मतभेद सामने आएगा लेकिन समय रहते वह संभल जाएगा।

वृश्चिक

आज के दिन आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है अन्यथा स्थिति पहले की अपेक्षा बिगड़ सकती है। सभी के साथ बोलते समय मीठी वाणी का प्रयोग करें।

धनु

मानसिक स्वास्थ्य में सुधार देखने को मिलेगा तथा मन प्रसन्न रहेगा। कोई बात मन ही मन प्रसन्न करेगी लेकिन इसे किसी से साँझा नहीं करेंगे। सभी के बीच आपसी सहयोग में भी वृद्धि देखने को मिलेगी।

मकर

सांझेदारी में व्यापार करते हैं तो आज के दिन कुछ ऐसा घटित हो सकता है जिसकी अपेक्षा नही होगी। हालांकि अंत में यह आपको लाभ देने वाला ही सिद्ध होगा।

कुम्भ

किसी बात को लेकर मन में आशंका रहेगी तथा क्या किया जाये और क्या नही, इसी उलझन में फंसे रहेंगे। ऐसे में बड़ों का परामर्श काम आ सकता है। नौकरी में लाभ मिलने के संकेत हैं।

मीन

जो लोग अपनी नौकरी में परिवर्तन लाने का विचार कर रहे हैं उनके लिए आज का दिन शुभ रहेगा। कहीं से आपको नौकरी के लिए अच्छा प्रस्ताव आ सकता है जिससे घरवालों का मन आनंदित रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

अपने करियर को लेकर बड़ा बदलाव करने जा रही हैं कैटरीना कैफ

कैटरीना कैफ बॉलीवुड की सक्सेसफुल एक्ट्रेस में से एक हैं। कई हिट फिल्में दे चुकी एक्ट्रेस आए दिन लाइम लाइट में छाई रहती हैं। हाल में ही एक्ट्रेस ने अपने एक्टिंग करियर को लेकर बात की है। एक्ट्रेस ने कहा है कि मैं 21 साल पहले वाली गलती फिर नहीं दोहराना चाहती हूं। कैटरीना कैफ हाल ही में फिल्म मेरी क्रिसमस में नजर आई थीं। इस फिल्म में कैटरीना के साथ साउथ सुपरस्टार विजय सेतुपति दिखाई दिए थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। दर्शकों को फिल्म में एक्ट्रेस का काम काफी पसंद आया था। अपनी इस फिल्म के बाद से एक्ट्रेस बड़ी ही सोच समझकर फिल्में साइन कर रही हैं। हाल ही में मीडिया को दिए इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस से जब कम फिल्में साइन करने की वजह पूछी गई तो उन्होंने बड़ा ही चौंकाने वाला जवाब दिया। एक्ट्रेस ने कहा-मैं अब खुद को नए तरीके से दर्शकों के सामने प्रेजेंट करना चाहती हूं। मैं अपने किसी भी पुराने कैरेक्टर को रिपीट नहीं करना चाहूंगी। कैटरीना कैफ ने कहा-मैं खुद को बार-बार स्क्रीन पर रिपीटेड कैरेक्टर्स में नहीं लोगों को दिखाना चाहती हूं। मैं अब रीपीटेड सीन्स कर-करके ऊब चुकी हूं। अगर मेरा ही ऐसा हाल है तो मेरे फैंस का भी यही हाल होगा। जब मैं खुद घिसा पिटा महसूस करने लगी हूं तो मेरे फैंस भी सेम रोल में देख कर ऐसा ही फील करते होंगे।

जन्नत में नौकर बनने से अच्छा नर्क में राजा बनो

वेब सीरीज 'लुटेरे' का रोमांचक ट्रेलर रिलीज

हंसल मेहता इस बार समुद्री लुटेरों पर बनी एक दिलचस्प कहानी लेकर दर्शकों के सामने हाजिर हो गए हैं। उनकी अपकमिंग सीरीज लुटेरे का जबरदस्त ट्रेलर रिलीज हो गया है। कमाल जय मेहता के निर्देशन में बनी इस सीरीज के ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस देखने को मिल रहे हैं। वहीं, इसके डायलॉग्स भी खूब कमाल कर रहे हैं। चलिए जानते हैं क्या है सीरीज की कहानी और इसे कब स्ट्रीम किया जाने वाला है।

ट्रेलर की शुरूआत में लालच को बुरा बताया जा रहा है। इसके बाद बैकग्राउंड से आवाज आती है, जन्नत में नौकर बनने से अच्छा है, नर्क में राजा बनो। इसके बाद समुद्र का खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। कुछ लुटेरे जहाज में समुद्र को लूटने के लिए पहुंचते हैं। सोमालिया में कुछ लुटेरे भारतीय समुद्र जहाज का अपहरण कर लेते हैं। यहीं से कहानी का दिलचस्प मोड़ शुरू हो जाता है।

जहां एक ओर ट्रेलर में शानदार एक्शन का देखा जा रहा है, वहीं इसमें कॉमेडी का दिलचस्प तड़का भी लगाया है। एक डायलॉग है जिसमें लुटेरों को जब पता चलता है कि उन्होंने जिस जहाज का अपहरण किया है वो भारती है, इसमें वह कैप्टन से पूछते हैं, आप अक्षय कुमार से मिले हैं? ट्रेलर में साजिश, कॉमेडी और एक्शन का दमदार डोज देखने को मिलता है।

बॉलीवुड | मसाला

22 मार्च को रिलीज होगी सीरीज

लुटेरे के ट्रेलर ने सीरीज के लिए दर्शकों की उत्सुकता को दोगुना कर दिया है। वहीं, इसके लिए लंबा इंतजार करने की भी जरूरत नहीं हैं। सीरीज का प्रीमियर इसी महीने, 22 मार्च, 2024 को ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जाने वाला है। इसमें रजत कपूर और विवेक गोम्बर को लीड रोल्स में देखा जाने वाला है। इनके अलावा लुटेरे में अमृता खानविलकर और आमिर अली भी अमह किरदारों में नजर आने वाले हैं।

जल्द ही स्पाई यूनिवर्स फिल्म करेंगी आलिया भट्ट

आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म जिगरा को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनय के साथ-साथ उन्होंने प्रोडक्शन में भी सक्रिय हैं। आलिया आगामी वेब सीरीज पोचर से कार्यकारी निर्माता के तौर पर जुड़ी हैं। वहीं वह निर्देशक संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर में भी नजर आने वाली हैं। इस बीच खबर है कि एक्ट्रेस के हाथ एक और बड़ा प्रोजेक्ट लग गया है। यशराज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी ने ऐलान कर दिया है कि आलिया भट्ट वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बनने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आलिया भट्ट वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की एक फिल्म का हिस्सा बन गई हैं, जिसकी शूटिंग इस साल के अंत में शुरू होगी। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स कई फिल्में शामिल हैं। सलमान खान की टाइगर, ऋतिक रोशन की वॉर और शाहरुख खान की पठान इसका हिस्सा हैं। यशराज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधवानी ने खबरों पर मुहर लगाते हुए कहा इस इंडस्ट्री का एक रहस्य मैं साझा करने जा रहा हूं। आलिया भट्ट एक स्पाई यूनिवर्स फिल्म में नजर आने वाली हैं, जिसका शूटिंग शेड्यूल इस साल के अंत में शुरू होगा। बता दें कि इस फिल्म की शूटिंग विदेश में भी होगी। उन्होंने आगे कहा, स्पाई यूनिवर्स में बहुत कुछ शामिल होगा। लेकिन अभी के लिए, मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि आलिया भट्ट एक स्पाई यूनिवर्स फिल्म में लीड रोल में दिखने वाली हैं। आलिया भट्ट के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जिगरा में नजर आएंगी। इसके अलावा आलिया भट्ट संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखने वाली हैं।

अजब-गजब | यहां निकली है डॉक्टर, टीचर व अन्य की बैकेंसी

नौकरी करने के लिए बुला रहा यह आईलैंड रहने खाने के अलावा देगा डेढ़ करोड़ रुपये

दुनिया में कई खूबसूरत आइलैंड हैं, जहां लोग छुट्टियां मनाने के लिए जाते हैं। इस पर लाखों रुपये तक खर्च करते हैं। लेकिन एक ब्यूटीफुल आइलैंड आपको बुला रहा है। रहना-खाना सबकुछ मुफ्त। इतना ही नहीं, यहां रहने वाले को 1.5 करोड़ रुपये भी मिलेगा। हालांकि, एक शर्त है। अगर आप इस कंडीशन में फिट बैठते हैं, तो इस जगह पर आपका स्वागत है।

मेट्रो की रिपोर्ट के मुताबिक, उइस्ट और बेनबेकुला नाम का यह आइलैंड स्कॉटलैंड के पश्चिमी तट पर बसा हुआ है। अभी यहां सिर्फ 40 लोग रहते हैं। लेकिन आने वाली गर्मियों में इस आइलैंड पर बहुत सारे टूरिस्ट पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए यहां के प्रशासन ने कुछ पोस्ट निकाली हैं। पहली पोस्ट एक जनरल प्रैक्टिशियन यानी डॉक्टरों की है। लेकिन उसके लिए जो सुविधाओं की बात कही गई है, वह वास्तव में अनोखी हैं।

एनएचएस वेस्टर्न आइल्स की ओर से निकाली गई भर्ती में कहा गया है कि डॉक्टर को 1 करोड़ रुपये सालाना सैलरी दी जाएगी। जो ब्रिटेन के डॉक्टरों से लगभग 40 फीसदी ज्यादा है। 8 लाख रुपये ट्रांसफर एलाउंस, 1.3 लाख रुपये वर्किंग एलाउंस और 11 लाख रुपये गोल्डन एलाउंस अलग से दिया जाएगा। यहां के हिसाब से यह अधिकतम सैलरी होगी। सबकुछ जोड़कर प्रत्येक डॉक्टर को तकरीबन 1.5 करोड़ रुपये मिलेंगे। इतना ही नहीं, हफ्ते में सिर्फ 40 घंटे काम करना होगा। नौकरी के विज्ञापन में लिखा है, चमचमाते द्वीप पर आपका स्वागत है। आवेदन करने वालों का ग्रामीण चिकित्सा के लिए जुनून की भावना होनी चाहिए। भर्तियां बेनबेकुला मेडिकल प्रैक्टिस पर आधारित होंगी। आपको समुद्र तटीय इलाकों में काम करने का अनुभव होना चाहिए। ज्यादातर आउटर लोगों को ही इसके लिए मौका दिया जाएगा। यहां एक स्कूल भी है, जिसके लिए प्रिंसिपल और टीचर्स की तलाश है। इस स्कूल में 5 से 11 साल के केवल 5 छात्र हैं, जबकि 2 छात्र नर्सरी में हैं, जिनकी आयु चार साल के करीब है। इनको तकरीबन 62 लाख रुपये वेतन दिया जाएगा। साथ में 6 लाख रुपये भत्ता भी मिलेगा।

एकमात्र चतुर्मुखी शिवलिंग 1300 साल पुराना है इतिहास

महाशिवरात्रि के अवसर पर एजुकेशन सिटी के नाम से मशहूर कोटा शहर भी शिवमय हो चुका है। यहां शिवालयों पर महापर्व की तैयारी लगभग पूर्ण हो चुकी है। यहां शिवरात्रि के मौके पर खास आराधना पूजा होगी और शिव बारात भी निकाली जाएगी। इसके साथ ही विवाह सम्मेलन, व्रत, पूजन, उपवास के साथ सुख-समृद्धि की कामना की जाएगी। ऐसे में यहां का कर्णेश्वर महादेव कंसुआ धाम मंदिर आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जो की पूरे 1300 साल पुराना है। कर्णेश्वर महादेव कंसुआ धाम मंदिर कोटा संभाग का सबसे प्राचीन शिव मंदिर है। इस शिव मंदिर को पुरातनकाल से ही कंसुआ तीर्थ के नाम से जाना जाता है। इस प्राचीन शिवमंदिर का निर्माण विक्रम संवत 795 यानि 738 ईस्वी में हुआ था।

कोटा के कंसुआ धाम स्थित प्राचीन शिव मंदिर की स्थापना को लेकर कई मान्यताएं हैं। करीब 1300 साल पहले बना यह मंदिर आज भी अपने मूल स्वरूप में बरकरार है। यहां विश्व का एकमात्र स्थापित चतुर्मुखी शिवलिंग है।

इस मंदिर की बनावट बेहद ही खास है। यहां सुबह के समय सूरज की पहली किरण मंदिर में स्थापित शिवलिंग पर ही गिरती है। मान्यताओं के अनुसार द्वापर युग में यहां कण्व ऋषि का आश्रम भी हुआ करता था। इसके साथ ही यहां राजा दुष्यंत और शकुंतला का गंधर्व विवाह भी हुआ था। राजा दुष्यंत की पत्नी शकुंतला ने प्रतापी राजा भरत को भी यहीं जन्म दिया था। इस शिवपुरी धाम के संरक्षक नागा साधु सनातन पुरी महाराज जी हैं। उनके गुरुदेव दिवंगत राणाराम पुरी महाराज जी ने कठिन योग, तप और साधना के बाद मंदिर में 525 शिवलिंग की स्थापना करवाई थी। इस मंदिर में आज भी 525 शिवलिंग मौजूद हैं। ऐसा माना जाता है कि यहां केवल दर्शन मात्र और पूजा करने से ही श्रद्धालुओं को 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन का फल मिल जाता है।

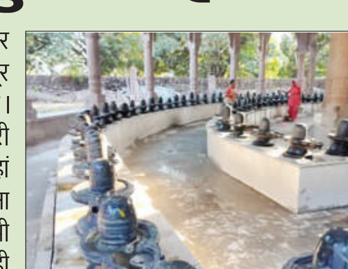

पीएम की रैली में कोई अपनी मर्जी से नहीं गया : उमर अब्दुल्ला

कहा- सरकारी कर्मियों पर डाला गया दबाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीएम के दौरे को लेकर पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने तंज कसा है। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अब्दुल्ला ने लिखा कि रैली में कोई भी अपनी मर्जी से नहीं आएगा। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि गोदी मीडिया और एजेंसियां श्रीनगर में पीएम मोदी को सुनने के लिए इकट्ठा हुई ऐतिहासिक भीड़ के बारे में बात कर रही होंगी।

तानाशाही जम्मू-कश्मीर सरकार ने प्रधानमंत्री को भीड़ देने के लिए हर संभव कोशिश की है क्योंकि भाजपा प्रशासन के बिना जम्मू-कश्मीर में कुछ भी संभाल नहीं सकती है। कर्मचारियों, पुरुषों और महिलाओं दोनों, जिनकी उम्र हजारों के आसपास है, को आयोजन स्थल तक जाने के लिए सुबह 4:30 से 5:30 बजे के बीच ठंडे तापमान में इकट्ठा होने के लिए कहा जा रहा है। यह भागीदारी वैकल्पिक नहीं, अनिवार्य है। जो कर्मचारी उपस्थित नहीं होंगे उन्हें उनके विभाग प्रमुखों द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई की धमकी दी गई है। डीपीएस आदि जैसे निजी स्कूलों ने इन सभी कर्मचारियों को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाने के लिए अपनी बसों की कमान संभाली है। अब्दुल्ला ने कहा कि मेरे पास विभाग के विवरण, पते और मोबाइल नंबर और परिवहन विवरण के साथ हजारों की सूची है। मैंने 140 पृष्ठों में से एक पृष्ठ का एक भाग संपादित कर दिया है।

प्रधानमंत्री के भाषण में कुछ भी नया नहीं था : उमर

प्रधानमंत्री की रैली को लेकर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनके पीएम के भाषण में कुछ भी नया नहीं था। उन्होंने ऐसा कुछ भी उल्लेख नहीं किया जो लोग सुनना चाहते थे। हालांकि प्रधानमंत्री खुद चुनाव की घोषणा नहीं कर सकते, लेकिन पीएम मोदी को कम से कम सुप्रीम कोर्ट की 31 सितंबर की समय सीमा से पहले विधानसभा चुनाव कराने के बारे में कहना चाहिए था।

परिवारवाद वाले नारों के पक्ष में नहीं

बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव के पीएम मोदी पर परिवारवाद वाले तंज पर उमर ने कहा कि वह ऐसे व्यक्तिगत नारों के पक्ष में नहीं हैं। इनसे किसी तरह का लाभ नहीं मिलता। उमर अब्दुल्ला कहते हैं, मैं कभी भी ऐसे नारों के पक्ष में नहीं रहा हूं और हमें उनसे कभी कोई फायदा नहीं हुआ है। जब भी हम ऐसे नारे लगाते हैं, तो इससे हमें नुकसान होता है। मतदाता इन सब से प्रभावित नहीं होते हैं, वे जानना चाहते हैं कि वर्तमान में उनके सामने जो समस्याएं हैं उनका समाधान कैसे होगा...हम वास्तव में ऐसे बयान देकर सेल्फ-गोल करते हैं या गोलकीपर को हटाते हैं और पीएम मोदी को गोल करने की अनुमति देते हैं।

पीडीपी के बजाय कांग्रेस के लिए छोड़ सकते हैं सीट

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने लोकसभा चुनाव के लिए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के साथ सीट साझेदारी के लिए गठबंधन करने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि वह पीडीपी के साथ सीट बंटवारे के लिए समझौता नहीं करेंगे। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर उन्हें पहले यह कहा गया होता कि उन्हें नेकां को पीडीपी के साथ साझेदारी करनी पड़ेगी तो उनकी पार्टी इंडिया गठबंधन में शामिल ही नहीं होती। उमर ने कहा कि अगर राहुल गांधी और सोनिया गांधी कहते हैं कि कांग्रेस के लिए छोड़ दें तो वह पीडीपी के बजाय कांग्रेस को सीट देना पसंद करेंगे उन्होंने दावा किया है कि कांग्रेस नंबर दो पर है, जबकि पीडीपी तीसरे नंबर पर है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में भाजपा को सत्ता में लाने और लोगों के जनादेश को धोखा देने के बाद पीडीपी के पास कोई विश्वसनीयता नहीं बची है। उमर अब्दुल्ला ने फिर कहा कि कश्मीर घाटी में सभी तीन लोकसभा सीटों पर नेकां स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेगी और अपने बल जीत दर्ज करेगी।

भाजपा दिल्ली के लोगों से करती है नफरत : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए अभियान शुरू कर दिया। इस अवसर पर दिल्ली के सीएम ने बीजेपी और पीएम मोदी पर जमकर हमला भी बोला। ज्ञात हो कि पार्टी ने इसके लिए 'संसद में भी केजरीवाल तो दिल्ली होगी और खुशहाल' स्लोगन जारी किया है।

» आप ने लोस के लिए जारी किया स्लोगन

» संसद में भी केजरीवाल तो दिल्ली होगी और खुशहाल

इस मौके पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान व चारों उम्मीदवार मौजूद रहे। इस मौके पर केजरीवाल ने इंडिया गठबंधन के सातों उम्मीदवारों को जिताने की अपील करते हुए कहा कि वे अकेले उपराज्यपाल व केंद्र सरकार से लड़ रहे हैं। दिल्ली में भाजपा, उपराज्यपाल व केंद्र सरकार उनके सभी काम रोकने की कोशिश करते हैं। ये दिल्ली के दो करोड़ लोगों से नफरत करते हैं। तीन बार यहां आप की सरकार बनने से ऐसा किया जा रहा है। छह-सात साल पहले जब वह मोहल्ला क्लीनिक बना रहे थे, तो भाजपा शासित एमसीडी ने इसे तोड़ दिया था।

उपराज्यपाल व केंद्र सरकार नहीं करने दे रहे काम

जब सीसीटीवी कैमरे लगाने चालू किए, तो उपराज्यपाल ने फाइल रोक दी। इसके लिए उपराज्यपाल के घर में 10 दिन तक धरना देना पड़ा था। इसके बाद फाइल मंजूर हुई। मोहल्ला क्लीनिक की बिजली काट दी। किराया व दवाइयां रोककर जांच भी बंद कर दी। आप सरकार हर घर को राशन देना चाहती थी, लेकिन इसकी भी फाइल रोक ली गई। योग की कक्षाएं बंद कर दीं। सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को बचाने के लिए लागू योजना फरिश्ते रोकी गई। इसके लिए अदालत तक जाना पड़ा। इतना निर्दयी कौन हो सकता है जो गरीबों का इलाज बंद कर दे। जब यह सब हो रहा था, तब सातों सांसद तालियां बजा रहे थे।

आप केवल काम की राजनीति करती है : मान

भगवंत मान ने कहा कि नफरत की नहीं, आप केवल काम की राजनीति करती है। तभी दिल्ली की जनता ने केजरीवाल और आप को दो बार प्रचंड बहुमत दिया। केजरीवाल दिल्लीवालों के लिए अकेले लड़ रहे हैं। अगर आप दिल्ली के सातों सांसद आम आदमी पार्टी को देते हैं तो केजरीवाल को सात हाथ और मिल जाएंगे। पंजाब के लोग आप को सभी 13 सीटें देने जा रहे हैं। राज्यसभा में दस सांसद पहले से हैं। चुनाव बाद दोनों सदनों में आप की ताकत 30-40 तक पहुंच जाएगी। इतने सांसद इकट्ठे होकर दिल्ली के लोगों के हक की लड़ाई लड़ेंगे तो किसी की हिम्मत नहीं होगी कि दिल्ली और पंजाब का कोई काम रोक सके।

सिद्धारमैया सरकार ने पद पर बने रहने की गरिमा खो दी : तेजस्वी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार पर निशाना साधा, जब उसने राज्य के सभी स्कूलों को छात्रों से परीक्षा के लिए अपनी उत्तर पुस्तिकाएं लाने के लिए कहने का निर्देश दिया।

राज्य सरकार की आलोचना करते हुए, भाजपा सांसद ने कहा कि यह पूरी तरह से गड़बड़ है। सूर्या ने यह भी कहा कि सिद्धारमैया सरकार ने पद पर बने रहने की गरिमा खो दी है। कर्नाटक को दिवालियापन की ओर धकेलने वाली कांग्रेस सरकार अब छात्रों को बोर्ड परीक्षाओं के लिए अपनी उत्तर पुस्तिकाएं लाने के लिए मजबूर कर रही है। यह सरकार पूरी तरह से गड़बड़ है, और पद पर बने रहने की गरिमा खो चुकी है।

इरफान सोलंकी को रिमांड पर लेगी ईडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल्द ही महराजगंज जेल में बंद कानपुर की सीसामऊ सीट से सपा विधायक इरफान सोलंकी को रिमांड पर लेगा। इसके बाद इरफान का आमना-सामना उसके करीबी बिल्डर शौकत अली और हाजी वसी से कराया जाएगा। जिससे उनके बीच कारोबारी संबंधों की जानकारी मिल सके।

सूत्रों के मुताबिक इरफान और उसके करीबियों के ठिकानों पर मारे गए छापों में तमाम ऐसी संपत्तियों के दस्तावेज मिले हैं, जिसे उन्होंने मिलकर खरीदा था। इन जमीनों पर कई बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए गए लेकिन इरफान के जेल जाने के कारण बीते एक साल से प्रोजेक्ट का काम ठप है। इरफान व उसके दोनों करीबी बिल्डरों ने कानपुर के बाहरी इलाके में 50 बीघा जमीन भी खरीदी है। इसके दस्तावेजों की प्रारंभिक जांच में पता चला कि इन जमीनों को काफी कम कीमत पर खरीदा गया था। ईडी के अधिकारियों को शक है कि किसानों को डरा-धमकाकर ये जमीनें कम कीमत में खरीदी गई हैं। फिलहाल इरफान व उसके करीबियों की बाकी जमीनों व निर्माणाधीन प्रोजेक्ट का आर्किटेक्ट से मूल्यांकन कराकर असली कीमत का पता लगाया जा रहा है। इरफान की पत्नी और साले को मुंबई की स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी द्वारा दो फ्लैट आवंटित करने की जांच भी तेज कर दी गई है। ईडी पत्र लिखकर अथॉरिटी से उन दस्तावेजों को मांगने की तैयारी में है, जो फ्लैट खरीदने के वक्त जमा किए गए थे। इससे पता चलेगा कि दोनों ने फ्लैट खरीदने के लिए कितनी आय घोषित की थी।

राजद नेता सुभाष यादव के घर ईडी की छापेमारी

पटना। बालू कारोबारी और आरजेडी नेता सुभाष यादव के घर व अन्य ठिकानों पर ईडी ने छापा मारा है। सुभाष यादव के दानापुर में तकियापर पर स्थित घर, सगुना मोड़ स्थित मां मरछिया देवी अपार्टमेंट, दानापुर बिस्कुट फैक्ट्री मोड़ स्थित पानी प्लांट, शाहपुर थाना अंतर्गत स्थित कार्यालय सहित अन्य ठिकानों पर ईडी के अधिकारी पहुंचे हैं। इन ठिकानों पर ईडी की रेड जारी है।

एंडरसन ने बना डाला टेस्ट में इतिहास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धर्मशाला। इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन टेस्ट क्रि केट में 700 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं। एंडरसन ने भारत के खिलाफ धर्मशाला में जारी पांचवें टेस्ट के तीसरे दिन कुलदीप यादव को आउट करके यह कीर्तिमान स्थापित किया।

सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी

एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में तीसरे स्थान पर काबिज हैं। वैसे, जेम्स एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में 700 या ज?यादा विकेट लेने वाले दुनिया के तीसरे गेंदबाज हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड श्रीलंका के महान ऑफ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम दर्ज है। मुरलीधरन ने 800 टेस्ट विकेट लिए। इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के महान लेग स्पिनर शेन वॉर्न काबिज हैं। दिवंगत शेन वॉर्न ने 708 टेस्ट विकेट लिए। 100 विकेट - चार्ली टर्नर ऑस्ट्रेलिया, 1895,200 विकेट - एलेक बेडसर, इंग्लैंड, 1953,300 विकेट - फ्रेड ट्रूमैन, इंग्लैंड, 1964,400 विकेट - रिचर्ड हेडली, न्यूजीलैंड, 1990,500 विकेट - कर्टनी वॉल्श, वेस्टइंडीज 2001,600 विकेट - जेम्स एंडरसन, इंग्लैंड, 2020, 700 विकेट - जेम्स एंडरसन, इंग्लैंड, 2024,। जेम्स एंडरसन की खूबी उनका लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रि केट खेलना है। 41 साल के एंडरसन ने 2003 में अपना डेब्यू किया और तब से इंग ?लैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुवा बने हुए हैं। एंडरसन ने 2015 से सीमित ओवर क्रिकेट नहीं खेला, लेकिन लाल गेंद क्रिकेट के वो शंहशाह बने और एक के बाद एक उपलब्धि हासिल करते गए।

कांग्रेस-सपा या एआईएमआईएम के साथ गठबंधन कोरी अफवाह : मायावती

बसपा प्रमुख बोलीं - फेक न्यूज से सावधान रहें पार्टी कार्यकर्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव के एलान में अब कुछ ही दिन बचे हुए हैं, लेकिन इससे पहले बीएसपी के फिर से गठबंधन करने की अटकलें जोर पकड़ रही है, कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आचार संहिता लगने की इंतजार बीएसपी कर रही है, लेकिन इन तमाम अटकलों के बीच बीएसपी चीफ मायावती ने बड़ा एलान कर दिया है।

मायावती ने कहा, कि बीएसपी देश में लोकसभा का आमचुनाव अकेले अपने बलबूते पर पूरी तैयारी व दमदारी के साथ लड़ रही है, ऐसे में चुनावी गठबंधन या तीसरा मोर्चा आदि बनाने की अफवाह फैलाना यह घोर फेक व गलत न्यूज, मीडिया ऐसी शरारतपूर्ण खबरें देकर अपनी विश्वसनीयता न खोए। लोग भी सावधान रहें। बीएसपी चीफ ने कहा, ख़ासकर यूपी में बीएसपी की काफी मज़बूती के साथ अकेले चुनाव लड़ने के कारण विरोधी लोग काफी बैचेन लगते हैं। इसीलिए ये आए दिन किस्म-किस्म की अफवाहें फैलाकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास करते रहते हैं. किन्तु बहुजन समाज के हित में बीएसपी का अकेले चुनाव लड़ने का फैसला अटल।

उम्मीदवारों के एलान न करने पर उठ रहे सवाल

दरअसल, बीते कुछ से कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मायावती की पार्टी चुनाव का एलान होने के बाद कांग्रेस और समाजवादी पार्टी वाले इंडिया गठबंधन के साथ जा सकता है। इस वजह से बीएसपी अभी अपने उम्मीदवारों के नाम का एलान नहीं कर रही है। दूसरी ओर कांग्रेस और सपा के उम्मीदवारों के एलान में देरी की वजह भी इसी को माना जा रहा है। हालांकि इन गठबंधन की अटकलों पर बीते लंबे वक्त से मायावती सफाई देती आ रही हैं। उन्होंने कई मौकों पर कहा है कि वह लोकसभा चुनाव किसी भी गठबंधन के साथ नहीं लड़ेंगी।

भोपाल : मंत्रालय भवन में लगी भीषण आग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» कई लोगों के फंसे होने की आशंका

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के वल्लभ भवन (मंत्रालय) में तीसरी मंजिल पर भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि आग इतनी भीषण है कि दूर से ही धुएं का गुबार दिखाई दे रहा है। जानकारी के अनुसार, अरेरा हिल्स में स्थित वल्लभ भवन (मंत्रालय) की तीसरी मंजिल पर शनिवार सुबह भीषण आग लग गई। आग लगते ही मंत्रालय भवन में हड़कंप मच गया।

बताया जा रहा है कि आग गेट नंबर 5 और 6 के बीच बड़ी बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर लगी है। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर दमकल की कई गाड़ियां पहुंच गई है। जोन-2 डीसीपी श्रद्धा तिवारी ने बताया कि दूसरी और तीसरी मंजिल पर लगी आग पर काबू पा लिया गया है, जबकि चौथी मंजिल पर लगी आग को बुझाने की कोशिश जारी है। उन्होंने कहा कि बिल्डिंग के अंदर अगर कोई फंसा होगा तो उसे सुरक्षित बाहर निकाला जाएगा।

फोटोः सुमित कुमार

प्रदर्शन 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के आवास का घेराव करने पहुँचे। 6800 सीटों पर नियुक्ति की मांग को लेकर लगातार कर रहे हैं प्रदर्शन।

सुएज के कारनामों से लोग परेशान

लालकुआं वार्ड में सीवर की समस्या से त्रस्त लोगों ने किया सड़क जाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुएज इंडिया कम्पनी जहां कागजों पर उम्दा काम कर रही है वहीं हकीकत में आम आदमी इसके काम से नाराज है। असल में इस कंपनी की लापरवाही से लाल कुआं वार्ड के लोग बहते सीवर से काफी दिनों से परेशान हैं।

वहां के स्थानीय निवासियों ने सुएज के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाकर विरोध किया। विभाग में वाहवाही लूटने वाली कंपनी धरातल पर काम नहीं करती है। आए दिन सीवर चोक होने से जनता परेशान होकर सुएज के खिलाफ प्रदर्शन करती है।

बिन बरसात के ही सीवर चोक हो रहे हैं। बरसात में कंपनी हवाला देती है कि सीवर के अतिरिक्त पानी आने से सीवर चोक होते हैं। लेकिल लाग कह रहे हैं इस समय ना तो बरसात है ना कोई अतिरिक्त पानी आ रहा है फिर कैसे सीवर चोक हो रही है।

लालकुआं वार्ड-33 में सीवर की समस्या से परेशान लोगों ने सुएज कंपनी के खिलाफ की नारेबाजी। (इनसेट) चोक हुआ सीवर।

> “मौके पर गाड़ियां भेज दी गई हैं, कर्मचारी लगे हैं सीवर सफाई का काम चालू है जल्द ही समस्या का समाधान हो जायेगा।
>
> - हरेंद्र यादव जेई जलकल जोन-1

उधर लाल कुआं वार्ड (33) में परेशान जनता सड़क पर उतरकर प्रदर्शन रही है। दरअसल, सालों यह समस्या बनी है। उस इलाके में 8 इंची पाइप लाइन पड़े होने से आये दिन सीवर चोक हो जाते हैं। इसी के चलते घरों में भी गन्दा पानी आता है। क्षेत्रिय निवासी अरविंद शर्मा ने कई बार शिकायत करी पर सुनने वाला कोई नही।

एनसीआर : फूड पॉइजनिंग से 500 लोग बीमार

» अस्पताल में भर्ती, परोसा गया था गलत खाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। ग्रेटर नोएडा समेत दिल्ली व एनसीआर में फूड पॉइजनिंग की वजह से करीब 500 लोगों की तबियत खराब हो गई है। ग्रेटर नोएडा में 200 स्कूली बच्चों की तबीयत बिगड़ने की सूचना आ रही है। ग्रेटर नोएडा में इन बच्चों ने हॉस्टल में खाना खाया था, जिसके बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। जिसके बाद तत्काल बच्चों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं दिल्ली के बाहरी इलाकों में 100 व गुड़गांव में 10 से ज्यादा लोग बीमार हैं।

खबर के मुताबिक ये घटना ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र के आर्यन रेसीडेंसी और लॉयड हॉस्टल की है. शुक्रवार की रात को हॉस्टल में रहने वाले छात्रों को मेस में गलत खाना परोसा गया था, जिसके बाद छात्रों की तबीयत बिगड़ गई. कई बच्चों ने पेट में दर्द और उल्टियों की शिकायत की। जिसके हॉस्टल में अफरा-तफरी मच गई, देखते ही देखते ये संख्या बढ़ती चली गई। हॉस्टल के संचालक पर छात्रों को गलत खाना परोसने का आरोप लगा है. बताया जा रहा है कि शुक्रवार शाम को शिवरात्रि में व्रत का खाना परोसा गया था, जिसके बाद छात्रों की तबीयत बिगड़ी. घटना की खबर मिलने के बाद बच्चों के अभिभावक भी परेशान हो गए ।

लातूर में धार्मिक आयोजन में खाना खाने से करीब 200 लोग बीमार पड़े

महाराष्ट्र के लातूर में एक धार्मिक कार्यक्रम में खाना खाने के बाद लगभग 200 लोग बीमार पड़ गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार रात देवनी तहसील के घाघनलवाड़ी में 'हरिनाम सप्ताह' समारोह के दौरान हुई।अधिकारी ने कहा, बृहस्पतिवार को क्योंकि एकादशी थी, इसलिए शाम पांच बजे 'भगर' (सांवा) परोसा गया। आधी रात तक, लगभग 200 लोगों ने बेचैनी की शिकायत की और उनमें से कई को उल्टी होने लगी। उन्होंने कहा, ग्राम पंचायत सदस्य रवि चिलमिले, जिला परिषद सदस्य प्रशान पाटिल और वलंडी स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. एस.एस. काले गांव पहुंचे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वितीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।